20:26 4G 0.00 KB/S ··· Vo LTE 22

class6 lesso...di literature

YMCA CENTENRY SCHOOL

Class 6. Lesson_ 15 बिन चिड़िया का जंगल

मौखिक

प्रश्न _अखबार में छपी खबर किस बारे में थी?

उत्तर _अखबार में छपी खबर गौरैया की घटती हुई संख्या के बारे में थी.।

प्रश्न_ हमारी शहरी सभ्यता ने किन परिस्थितियों का निर्माण कर दिया ?

उत्तर _हमारी शहरी सभ्यता ने ऐसी परिस्थितियों का निर्माण कर दिया जिससे घर में चार गमले रखकर जंगल का सुख होने का भ्रम हमें पालना पड़ता है और घर में दो बाई 2 फुट का समुद्र बनाकर हम सातों समुद्रों की रंग बिरंगी मछलियों को निहारने का सुख पा लेते हैं ।

प्रश्न _जापान जाकर लेखक ने क्या महसूस किया?

उत्तर _जापान जाकर लेखक ने महसूस किया कि वहां कौवे ही कौवे हैं दूसरे पक्षी नहीं है ।

प्रश्न_ लेखक ने त्रासदी किसे कहा है?

उत्तर _कोयल की कूक भी अब हमें अच्छी नहीं लगती लेखक ने इसे ही त्रासदी कहा है।

लिखित

प्रश्न_ मनुष्य के पत्थर होते जाने का क्या अर्थ है ?

उत्तर_मनुष्य के पत्थर होते जाने का अर्थ है कि ना तो उसके मन में रिश्तो के लिए कोई जगह है और ना ही किसी तितली या किसी चिड़िया के जिंदगी से जुड़ने की कोई उमंग।

प्रश्न _युद्ध के क्या दुष्प्रभाव होते हैं ?

उत्तर _युद्ध में सबसे पहले मनुष्य के लिए उपयोगी चीजों की ही बलि चढ़ती है उसके भीतर की करुणा एक दूसरे से जोड़ने वाली संवेदना और मनुष्यता समाप्त हो जाती है ।

प्रश्न _नन्ही चिड़िया और तितलियां कम क्यों हो रही हैं?

उत्तर_ नन्ही चिड़िया और तितलियां इसलिए कम हो रही है क्योंकि हम उन चीजों को ही समाप्त करते जा रहे हैं जिनमें ऐसे नन्हे जीव पल सके ।

प्रश्न _कोयल पर पानी डाल डाल कर उसे क्यों भगा दिया गया?

उत्तर_ शहर की एक ऊंची इमारत वाली कॉलोनी के लोगों ने एक कोयल को पानी डाल डाल कर सिर्फ इसलिए भगा दिया क्योंकि वह सुबह सवेरे गाने लगती थी जिससे लोगों की नींद खराब होती थी ।

आशय स्पष्ट कीजिए

१)घर में दो बाय 2 फुट का समुंद्र बनाकर हम सातों समुद्रों की रंग बिरंगी मछलियों को निहारने का शौक पा लेते हैं ।

उत्तर _घर में रंग बिरंगी मछलियों से भरा एक बेरिया में सात समुद्र की मछलियों को निहारने का सुकून देता है हमारे सुख के कारण मछलियों को अपनी स्वतंत्रता से वंचित रहना पड़ रहा है।

२) हम उन परिस्थितियों को समाप्त करते जा रहे हैं जिनमें ऐसे नन्हे जीव पल सके ।

उत्तर__ छोटे-छोटे घरों में रहने के कारण हमारे आसपास पेड़ पौधे या खुला बाग नहीं मिल पाता जिस कारण ऐसे छोटे छोटे नन्हे जी नहीं पाते ।

३)रहस्य को समझने की प्रक्रिया ने हमें पशु से मनुष्य तक पहुंचाया है।

उत्तर _आरंभिक समय में मनुष्य के हृदय में सुंदरता का बोध नहीं था प्रकृति के सौंदर्य के प्रति उदासीन था फूलों की सुंदरता नदियों की कलकल चिड़ियों की मधुर चार्ट के प्रति उसे कोई उत्सुकता नहीं थी जैसे जैसे उसने प्रकृति के रहस्य को समझना शुरू किया उसके मन में सुंदरता का बोध जागा और यही पशु से मनुष्य बनने की प्रक्रिया आरंभ हुई।